वर्धा डायरी

हिंदी की मासिक ई -पत्रिका

वर्ष : ०२ | संयुक्तांक : अप्रैल – मई 2026 | अंक : सत्रह

वसुंधरा की पुकार

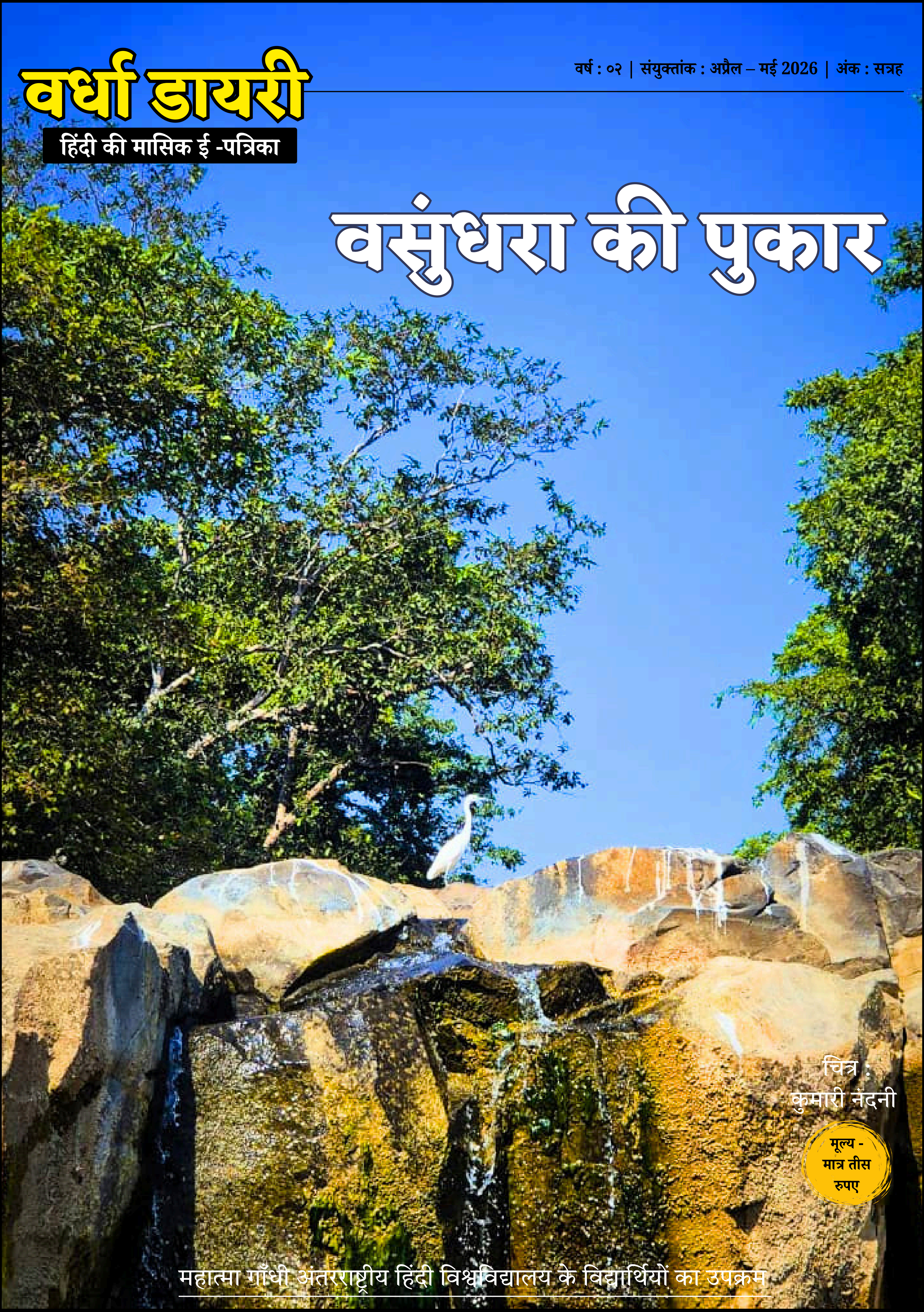

चित्र : कुमारी नंदनी

मूल्य - मात्र तीस रुपए

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का उपक्रम

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(पूर्ण रूप से विद्यार्थियों द्वारा प्रकाशित की जा रही पत्रिका)

वर्धा डायरी
हिन्दी की मासिक ई - पत्रिका

दो शब्द

'वर्धा डायरी' ई-पत्रिका महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के विद्यार्थियों द्वारा प्रकाशित की जा रही है। यह पत्रिका पूर्ण रूप से एक खुला मंच है, जहां आप अपने रचनात्मक विचारों को पाठकों के साथ साझा कर सकते हैं। इस पत्रिका को शुरू करने का उद्देश्य यही है कि हिंदी विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत छात्रों के भीतर छिपी रचनाधर्मिता को जागृत कर, उन्हें सबके सामने प्रस्तुत किया जाए। हिंदी विश्वविद्यालय अपने जिन उद्देश्यों को लेकर स्थापित किया गया था, उसको पूरा करने में हमारा एक छोटा सा योगदान है। हम चाहते हैं कि आप अपनी रचनाओं से एक सकारात्मक वातावरण स्थापित करने में हमारी मदद करें। हमारा आपसे आग्रह है कि आप अपनी जिन भी रचनाओं को भेजें वे मौलिक हों। पत्रिका को हम सिर्फ़ विश्वविद्यालय परिसर तक सीमित न करके, सभी लेखकों के लिए खोल रहे हैं। आइये महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रम की कड़ी का एक हिस्सा बन इस उपक्रम को आगे बढायें। इसी आशा के साथ आपकी रचनाओं का स्वागत है। पढ़ते रहिये , रचते रहिये और नया गढ़ते रहिये।

महात्मा गांधी की कर्मभूमि वर्धा से प्रकाशित
साहित्यिक - सांस्कृतिक मासिक ई - पत्रिका

वर्धा डायरी

संस्थापक संपादक
विवेक रंजन सिंह

प्रकाशक व प्रधान संपादक
अभय दुबे

कार्यकारी संपादक
कुमारी नंदनी

अंक - सहयोगी संपादक
राहुल कुमार
उदय भास्कर

तकनीकी मार्गदर्शक
डॉ. राखी

परामर्श मंडल
सुसंस्कृति परिहार
(वरिष्ठ पत्रकार)

अंक - सहयोगी सदस्य
सूरज सिहाब

प्रिय पाठक मित्रों ,
पत्रिका का यह प्रकाशन पूर्ण रूप से विद्यार्थियों द्वारा ही किया जाता है . इस प्रकाशन के पीछे हमारा मात्र यही प्रयास है कि आपके विचारों को एक मंच दिया जा सके . हम आपसे सहयोग की अपेक्षा रखते हैं . आप हमें आर्थिक सहयोग भी कर सकते हैं. आर्थिक सहयोग हेतु नीचे दिए गये UPI पर आप राशि भेज सकते हैं . आपका लघु सहयोग हमारे प्रयास को नई उर्जा प्रदान करेगा .

UPI आई .डी . - 9140586154@axl (गूगल पे / फ़ोन पे)

पत्रिका के सभी अंक नॉट नल पर उपलब्ध हैं . अब तक प्रकाशित सभी अंकों को पढने के लिए विजिट करें www.notnul.com

पत्रिका का पी.डी.एफ. प्राप्त करने के लिए आप दिए गए बार कोड या यू.पी.आई. पर राशि भेज सकते हैं . आप हमारे सदस्य भी बन सकते हैं , जिससे आपको समय समय पर प्रकाशित अंक उपलब्ध कराए जा सकें .

सदस्यता शुल्क : (संस्थान , शिक्षक , शोधार्थी)
मासिक - तीस रुपये मात्र
वार्षिक - तीन सौ रुपये मात्र

सदस्यता शुल्क : (विद्यार्थी)
मासिक - दस रुपये मात्र
वार्षिक - सौ रुपया मात्र

Vivek Ranjan Singh

(लेखकों को पत्रिका के अंक मुफ्त में उपलब्ध कराए जायेंगे .)

संपादकीय संपर्क
संपादक - वर्धा डायरी
राजगुरु छात्रावास , कक्ष संख्या - 28
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स,
वर्धा ४४२००१ (महाराष्ट्र)
ई-मेल - wardhadiaryeditor@gmail.com

पृष्ठ सज्जा - कुमारी नंदनी

© प्रकाशकाधीन

• संपादन एवं प्रबंध पूर्णतया अवैतनिक व अव्यवसायिक

प्रारंभ वर्ष - सितंबर , 2024

प्रकाशक - स्व - प्रकाशित ई - पत्रिका (डिजिटल)

(प्रकाशन हेतु भेजी जाने वाली सामग्री अथवा रचनाओं के प्रकाशन हेतु संपादक का निर्णय ही मान्य होगा। प्रकाशित रचनाओं की रीति - नीति या विचारों से संपादकों की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में प्रकाशक की पूर्ण जिम्मेदारी होगी।)

सर्वाधिकार सुरक्षित - संपादक / प्रकाशक

(पत्रिका पूर्ण रूप से अभी ई - पत्रिका है और इसके प्रिंट करने या उसके वितरण की इजाज़त अभी नहीं है। किसी विशेष स्थिति में प्रकाशक के अनुमति से ही इसके प्रिंट निकलवाए जा सकते हैं। यदि बिना प्रकाशक की अनुमति से कोई इसके प्रिंट को निकलवाता है और उसका वितरण करता है तो कानूनी कारवाई हेतु वह स्वयं ज़िम्मेदार होगा। प्रेस व रजिस्ट्रेशन अधिनियम के अनुसार जब इसका आई.एस.एस.एन./ आर.एन.आई. अंक प्राप्त हो जायेगा, तभी इसे प्रिंट माध्यम में वितरण किया जा सकता है। किसी भी आपत्ति या विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र वर्धा , महाराष्ट्र होगा।)

बिना प्रकाशक की अनुमति के किसी भी लेख अथवा सामग्री का प्रिंट अथवा इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन / प्रसारण प्रतिबंधित है।

शुभ - संदेश

पत्रिका का प्रकाशन अच्छा कार्य है। मै आप सभी (सम्पादन मंडल) को शुभकामनाएं ही दे सकता हूँ। यह अच्छा कार्य है। मैं यही चाहता हूँ कि पत्रिका के सामने राष्ट्रीय व विश्व दोनों परिप्रेक्ष्य होने चाहिए , तभी इसकी सार्थकता सिद्ध होगी। वर्धा मेरे जीवन की खूबसूरत यादों की जगह रही है। मुझे गांधी की इस धरती से काफी प्रेम और सहयोग मिला। वर्धा सीखने , समझने और अनुसंधान करने की जगह है। रचनात्मक क्रियाकलापों को बढ़ावा देने के लिए जनसंचार विभाग के छात्रों को आगे आना चाहिए। इस पत्रिका के लिए आप सभी को हार्दिक शुभकानाएं।

प्रो. जी . गोपीनाथन (पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा)

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय हिंदी समाज की रचनात्मकता का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यहाँ के छात्र भाषा और साहित्य दोनों के क्षेत्र मे सक्रिय रहे हैं। यह खुशी की बात है कि विश्वविद्यालय परिसर से एक ई पत्रिका (वर्धा डायरी)की शुरुआत होने जा रही है। पत्रिका से जुड़े छात्रों को इसके लिये बधाई और मेरी शुभकामनायें।

श्री विभूति नारायण राय (पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा)

प्रकाश और अंधकार का युग्म एक सतत और अनिवार्य संघर्ष की याद दिलाता है। भाषा प्रकाश का ही एक रूप है जिससे दुनिया अर्थवान हो उठती है और उसे भी अंधकार का प्रतिरोध करना पड़ता है। पर भाषा की शक्ति प्रकाश से थोड़ा आगे बढ़ती है क्योंकि वह वर्तमान से आगे बढ़ कर भविष्य रचती रचाती चलती है। भाषा के गर्भ में पलती रचनाशीलता युग का निर्माण करती है। हमारी शुभकामना है कि “ वर्धा डायरी “ काल की संवेदना को थामे भाषा के सामर्थ्य की वाहिका बने। लोक तंत्र की प्राण नाड़ी है अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और डायरी उसे जीवित करने का उद्यम कर रही है। स्वराज की भूमि वर्धा से आरंभ हो रही विचारों के स्वराज की यह यात्रा मंगलमय हो।

श्री गिरीश्वर मिश्र (पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा)